

असाधारण EXTRAORDINARY

PART H—Section 3—34-404 (ii)



सं. 436] नई बिल्ली, बृहल्पतिवार, अगस्त 8, 1991/आवण 17, 1913

No. 436] NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 8, 1991/SRAVANA 17, 1913

इ.स भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह सक्रम संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Puging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह भंजालम

प्रधिस्वना

नई दिल्मी, 8 यगम्त 1991

का. द्वा. 509 (थ) :— यतः जांच आयोग अधिनियम, 195? (1952 की 00) की धारा 3 द्वारा प्रदस्त प्राप्ततमें का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने मेहम निर्माधन क्षेत्र से हरिशाणा विधान सभा के लिए चुनाव में खड़े एक उम्मीद्वार श्री श्रमीर मिंह की मृत्यु की परिन्यितिमों की जांच करने हेनु विनांक 24 जुलाई, 1990 की अधिमुश्रना सं.का. द्वा. 582 (श्र) के द्वारा एक जांच भाषांग गठित किया था जिसके एकमान्न सदस्य भारत के उच्चतम स्वाधालय के मैवा-निवृक्त न्यामार्थीण न्यामपूर्ति श्री श्री पी. महोत्त थे ;

और यतः, न्यायमूर्सि श्रां डी.पी. महोन ने स्था जीच श्रायोग से स्थागम्बादे दिशा था तथा नेम्बोथ सरकार ने 1 फरवरी, 1991 की श्रिश्चिमा सं. IV/15013/1/90-सी.एस.श्रारः के द्वारा 7 दिसम्बर, 1990 से उनका स्थागपत स्थीकार कर लिया था ;

मतः, प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 3 द्वारा प्रदश्त मित्रयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्-शरा भारत के उक्त्वतम व्यायालय के सेवानिबृद्त व्यायाद्यीण, व्यायमूर्ति श्री के एन. सेकिया की नियुक्ति उक्त जीच धायोग में तात्कालिक प्रभाव से करती है तथा दिनांक 24 जुलाई, 1990 की श्रिष्टसुचना सं.का.बा. 582 (ब्रा) में निम्मलिखित संगीधन करनी है, श्रायश्चि :—

उक्त प्रधिसूचना में "न्यायमृति श्री डी.पी. मडीन" शब्दों के स्थान पर "न्यायमूर्ति श्री के.एन. सैकिया" शब्द प्रतिरंखापित किए जाएंगें ।

> [सं. 1V/15013/1/90-सी.एस.घार.] बादल के. दास, संयुक्त सन्तिव

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## NOTIFICATION

New Delhi, the 8th August, 1991

S.O. 509(E).—Whereas in exercise of the powers conferred by section 3 of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952), the Central Covenment appointed a Commission of Inquiry consisting of a single member, Shri Justice D. P. Madon, a retired Judge of the Supreme Court of India, vide notification No. S.O. 582(E), dated the 24th day of July, 1990, for making an inquiry into the incidents leading to the death of one Shri Amir Singh, a candidate in the elections to the Haryana Legislative Assembly from Melam constituency;

And, whereas, Shri Justice D. P. Madon resigned from the said Committion of Inquiry and the Central Government accepted his resignation with effect from the 7th day of December, 1990, vide notification No. IV[15013]1[90-CSR, dated the 1st day of February, 1991;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the said Act, the Central Government hereby appoints Shri Justice K. N. Saikra, a retired Judge of the Supreme Court of India to the said Commission of Inquiry with immediate effect and makes the following amendment in notification No. S.O. 582 (E), dated the 24th day of July, 1990, namely:—

In the said notification, for the words "Shri Justice D. P. Madon", the words "Shri Justice K. N. Saikia" shall be substituted.

[No. IV[15013[1]90-CSR] BADAL K. DAS, Jt. Secy.